संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 276 पृष्ठ : 04, पानीपत, शनिवार 16 नवंबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

स्नान के लिए 'असुरक्षित' गंगाजल पीएम के प्रयासों से आचमन योग्य बना : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी में नमो घाट के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री ने देव दीपावली, गुरु नानक जी के प्रकाश पर्व और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की दी शुभकामनाएं

पब्लिक एशिया ब्यूरो

वाराणसी » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नमो घाट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वे देव दीपावली के इस अद्वितीय पर्व के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने गुरुनानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने काशी के विकास की सराहना करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में काशी ने अपने रूप और पहचान में अद्भुत बदलाव को देखा है। पहले जहां गंगा के जल को स्नान के लिए भी असुरक्षित माना जाता था, वहीं आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नमामी गंगे परियोजना के तहत किए गए प्रयासों के कारण जल आचमन के योग्य हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसे 'नमो घाट' के रूप में जाना जाता है, उसे काशी की जनता %नरेन्द्र मोदी घाट% कहकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपना आभार प्रकट करती है। इस दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि समारोह में मौजूद रहे।

देश का सबसे लंबा और खूबसूरत घाट है 'नमो घाट'

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से काशी की पहचान अब उसके स्वच्छ और सुंदर घाटों, विश्वनाथ धाम, चौड़ी फोर लेन और सिक्स लेन सड़कों, उत्कृष्ट ट्रेन कनेक्टिविटी और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी तमाम परियोजनाओं से होती है। उन्होंने विशेष रूप से नमो घाट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक घाट नहीं है बल्कि एक अद्वितीय स्थल है। पहले यह क्षेत्र गंदगी और अंधेरे में डूबा रहता था, जहां लोग आने से डरते थे, लेकिन अब यह सबसे सुंदर और लंबा घाट बन चुका है। यहां जी 20 शिखर सम्मेलन और काशी तमिल संगमम जैसे भव्य कार्यक्रम भी आयोजित हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच साल पहले काशी विश्वनाथ धाम में मात्र 50 श्रद्धालु मुश्किल से दर्शन कर पाते थे, जबकि आज 50 हजार से अधिक श्रद्धालु आराम से दर्शन कर सकते हैं। विशेष अवसरों पर यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है। काशी के विकास और विरासत को विश्व स्तर पर एक नई पहचान मिली है।

शंखों के नाद और डमरुओं की गड़गड़ाहट के बीच लोकार्पित हुआ नमो घाट

वाराणसी में कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर आयोजित देव दीपावली के अवसर पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य नमो घाट का लोकार्पण किया। काशी की जनता द्वारा हर हर महादेव का जयघोष और डमरू वादन और शंखनाद के बीच शिलापट्ट का अनावरण कर नमो घाट को लोकार्पित किया गया।

पांच-पांच दीप जलाकर देव दीपावली महोत्सव का हुआ शुभारंभ

नमो घाट पर स्थित नमो मुद्रा के समीप पांच-पांच दीप प्रज्ज्वलित कर सभी गणमान्य अतिथियों ने काशी में देव दीपावली महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। वहीं समारोह की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें ओडिशा के कलाकारों के ग्रुप ने 'नमो नमो' गीत पर नृत्य किया। इसके बाद, यूएसए और ऑस्ट्रेलिया के कलाकारों ने कुचीपुड़ी डांस फॉर्म में %कॉस्मिक शिवा% थीम पर प्रस्तुति दी, जिससे उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

» बोले मुख्यमंत्री, देश का सबसे सुंदर और सबसे बड़ा घाट है 'नमो', काशीवासी इसे 'नरेन्द्र मोदी घाट' कहते हैं

» पहले विश्वनाथ धाम में 50 श्रद्धालु भी दर्शन नहीं कर पाते थे, आज 50 हजार लोग आसानी से कर सकते हैं दर्शन : योगी

काशी को विकास और विरासत के संगम के रूप में एक नई वैश्विक पहचान मिली है : मुख्यमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में काशी के बदलते स्वरूप की चर्चा करते हुए कहा कि काशीवासियों ने नये भारत के साथ काशी के नये कलेवर का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि काशी को विकास और विरासत के संगम के रूप में एक नई वैश्विक पहचान मिली है, जिसका काशीवासियों ने अपनी आंखों से साक्षात्कार किया है। यहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिली है और अनेक कार्य संपन्न हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश का पहला वाटर वे जो हल्दिया तक जाता है, यहीं से शुरू होता है। सीएम योगी ने बताया कि काशी में 700 से अधिक नावें सीएनजी इंधन से संचालित होती हैं, जिससे प्रदूषण कम हुआ है। उन्होंने कहा कि नमो घाट के उद्घाटन ने देव दीपावली के आनंद को कई गुना बढ़ा दिया है। देव दीपावली को देवताओं की दीपावली बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से यह पर्व अब वैश्विक मंच पर विशेष पहचान बना चुका है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने बाबा विश्वनाथ से कामना की कि देव दीपावली का पर्व सभी के जीवन में उल्लास और आनंद लेकर लाए। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की पत्नी सुदेश धनखड़, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, प्रदेश के स्टाम्प एवं पंजियन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, महापौर अशोक तिवारी, एमएलसी धर्मेन्द्र राय, हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, सुनील पटेल समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे। **संबंधित फोटो पेज 12 पर**

योगी ने उप राष्ट्रपति का काशी में किया स्वागत एवं अभिनंदन

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप राष्ट्रपति को अंगवस्त्र पहनाकर और नमो घाट पर स्थापित नमो मुद्रा को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। वहीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उप राष्ट्रपति की पत्नी सुदेश धनखड़ का स्वागत विघ्न विनाशक गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर किया। विधायक कैंट सौरभ श्रीवास्तव ने राज्यपाल का स्वागत किया, वहीं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टांप एवं पंजीयन रविंद्र जायसवाल ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का अभिनंदन किया। विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
29.0°C	19.0°C

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी लोगों को बधाई दी है। उन्होंने उन्होंने एक्स हैंडल पर अपने बधाई संदेश में लिखा, झारखंड के अपने सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं। जनजातीय समाज के संघर्ष और बलिदान से सिंचित इस धरती ने देश को हमेशा गौरवान्वित किया है। मेरी कामना है कि प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण यह प्रदेश प्रगति के पथ पर तेज रफ्तार से आगे बढ़े। उल्लेखनीय है कि आज ही के दिन 15 नवंबर, 2000 को झारखंड को अलग राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था।

खरगे, राहुल, प्रियंका ने गुरुपर्व पर दी देशवासियों को शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरु नानक देव के 555वें प्रकटोत्सव पर्व पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका संदेश समाज में भाईचारे तथा एकता को और मजबूती प्रदान करेगा। श्री खरगे ने कहा 'हम श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश उत्सव और गुरुपर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं ने न केवल सिख धर्म के मूलभूत सिद्धांतों को स्थापित किया, बल्कि संवाद और एकता की भावना को भी मूर्त रूप दिया। इस पवित्र दिन पर, आइए हम सत्य, दया, सद्भाव, सौहार्द, करुणा, भाईचारा और समानता के मूल्यों को अपनाकर उनके संदेश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें।'

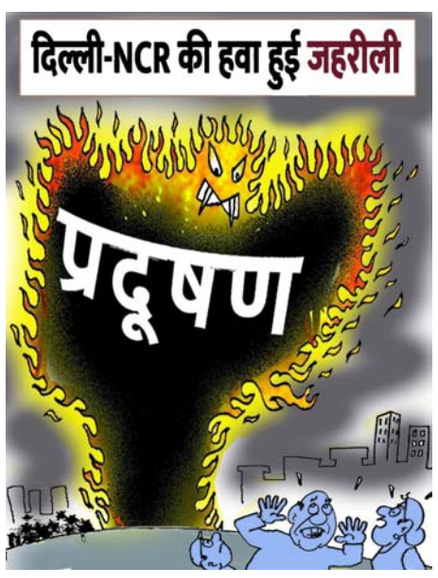

जनजातीय समाज की पढ़ाई, कमाई और दवाई पर सरकार का जोर : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने बिहार के जमुई से किया 6,640 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के जमुई में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह के शुभारंभ के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस समारोह में कहा कि जनजातीय समाज की पढ़ाई, कमाई और दवाई पर हमारी सरकार का बहुत जोर है।

प्रधानमंत्री ने 6,640 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत आदिवासी परिवारों के लिए बनाए गए 11,000 घरों के 'गृह प्रवेश' में भी वर्चुअली भाग लिया।प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में देश के आदिवासी बहुल जिलों में बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव उपवन बनाए जाएंगे। इसमें हजारों पेड़ लगाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने पूर्व की सरकारों पर आदिवासी समुदाय के विकास की अनदेखी करने और आजादी के आंदोलन में उनकी भूमिका को मिटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने आदिवासी लोगों की बेहतरी के लिए कभी काम नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस का नाम लिये बिना कहा कि आजादी के लिए एक ही दल को श्रेय देना गलत है। उन्होंने कहा कि कई आदिवासी नेता थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोदी ने कहा, 'आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के अनमोल योगदान को मिटाने की कोशिशें की गईं। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी। राजनीति ये थी कि भारत की आजादी के लिए सिर्फ एक ही दल को श्रेय दिया जाए। लेकिन अगर एक ही दल, एक ही परिवार ने आजादी दिलाई है, तो भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान आंदोलन क्यों हुआ था, संथाल क्रांति क्या थी, कोल क्रांति क्या थी?'

देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की शुभकामनाएं दीं।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सभी देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की अनंत शुभकामनाएं। स्नान-ध्यान और दीपदान की पवित्र परंपरा से जुड़ा यह पावन अवसर हर किसी के जीवन को सुख-समृद्धि और सौभाग्य से रोशन करे, यही कामना है।'

प्रधानमंत्री के विमान में तकनीकी खराबी, दूसरे विमान से दिल्ली गए

रांची » प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमान में आज तकनीकी खराबी आने के बाद वायुसेना का दूसरा विमान दिल्ली से देवघर एयरपोर्ट पहुंचा और इसके बाद प्रधानमंत्री दिल्ली के लिए रवाना हुए। देवघर एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री बिहार के जमुई गए थे और वहां बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह में शिरकत करने के बाद वह देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होनेवाले थे, लेकिन विमान में तकनीकी दिक्कत आ गयी थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी का विमान साढ़े तीन घंटे बाद देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ा।करीब शाम पांच बजे श्री मोदी वायुसेना के विमान से दिल्ली रवाना हुए। प्रधानमंत्री के विमान में तकनीकी खराबी की सूचना पर 4 : 10 बजे दिल्ली से दूसरा विमान मंगाया गया।विमान के देवघर पहुंचते ही श्री मोदी दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाईं आस्था की डुबकी

कार्तिक पूर्णिमा पर गढ़मुक्तेश्वर में ब्रजघाट के तट पर श्रद्धालु गंगा घाटों पर स्नान करते हुए।

गुजरात तट से 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त, आठ ईरानी नागरिक गिरफ्तार

शाह ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली » कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान में शुक्रवार को गुजरात तट से दूर भारतीय जलक्षेत्र में एक अपंजीकृत पोत से लगभग 700 किलोग्राम मेथमफेटामाइन की जब्त की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करके गुजरात में 700 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेथमफेटामाइन जब्त करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को बधाई दी है।

मादक पदार्थ नियंत्रक ब्यूरो (एनसीबी), नौसेना और गुजरात पुलिस की विशेष कार्य दल (एटीएस) के संयुक्त अभियान में आठ विदेशी नागरिक गिरफ्तार किये गये हैं। एनसीबी की ओर से जारी बयान के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों ने ईरानी होने का दावा किया है। एनसीबी ने कहा, 'लगातार खुफिया जानकारी एकत्र करने और विश्लेषण करने के कारण विश्वसनीय सूचना मिली थी कि एक अपंजीकृत जहाज, जिस पर कोई एआईएस स्थापित नहीं है, मादक दवाओं/मनोवैज्ञानिक पदार्थों के साथ भारतीय जल में प्रवेश करेगा। इस सूचना के आधार पर 'सागर-मंथन-4' नामक अभियान शुरू किया गया और भारतीय नौसेना द्वारा अपने मिशन-तैनात समुद्री गश्ती परिसंपत्तियों को जुटाकर जहाज की पहचान की गई और उसे रोका गया, जिसके कारण शुक्रवार को प्रतिबंधित सामान जब्त किया गया और आरोपियों को पकड़ लिया गया।'

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

जया वर्मा सिन्हा

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी! इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की!

भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं। भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

जया वर्मा सिन्हा भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ रही हैं।

गुरु नानक का सन्देश वर्तमान में और भी ज़्यादा जरुरी : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि गुरु नानक देव सैकड़ों साल पहले प्रेम, भाईचारा और बराबरी का जो सन्देश दिया वह आज के दौर में और भी ज़्यादा जरुरी है।

सुश्री आतिशी ने गुरुवार को श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर रकाबगंज गुरुद्वारा में मत्था टेक दिल्लीवालों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। इस दौरान वह संगत के साथ कीर्तन में भी शामिल हुई। मुख्यमंत्री ने कहा,'श्री गुरु नानक देव सैकड़ों साल पहले इस धरती पर आए लेकिन तब उन्होंने प्रेम, भाईचारा और बराबरी का जो सन्देश दिया वो आज के दौर में और भी ज़्यादा जरुरी है।' उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव ने हम सभी को बराबरी का रास्ता सिखाया। उन्होंने सिखाया की कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी इंसान बराबर है। उन्होंने कहा,'आज के दौर में हम सभी श्री गुरु नानक देव जी के दिखाए रास्ते पर चले तो भारत को आगे बढ़ने से और दुनिया का नंबर. 1 देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है।'

आलेख

नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों देश में माफिया या आपराधिक मामलों के महज आरोपी होने के कारण बुलडोजर से उनका घर गिराए जाने की कारवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए पूरी कार्यपालिका को कठघरे में खड़ा कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि रोटी, कपड़ा के साथ आवास (घर) भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल है। आदमी जीवनभर की कमाई खर्च करके घर बनाता है। इसलिए बगैर किसी ठोस कारणों के किसी का घर गिराना मनमानी है। यदि सरकार उचित प्रक्रिया का पालन किये बगैर किसी का घर गिराती है तो उसे सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग माना जाएगा।

सनद रहे कि पिछले कुछ वर्षों से उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड की सरकारें कई अपराधियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करती रही हैं। इसमें दो राय नहीं है कि बुलडोजर से न्याय देने की परिपाटी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरू की थी। बाद में यह अभियान इतना तेज हो गया कि पुलिस-प्रशासन बेख़ौफ़ होकर किसी आरोपी के घर को बुलडोजर से ध्वस्त करने लगा था। विपक्ष बार- बार बोलता रहा कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और खासकर एक जाति विशेष के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार इसे 'रामराज्य' का न्याय बताकर अपनी पीठ थपथपाती रही। बाद में भाजपा शासित कई अन्य राज्यों ने बुलडोजर एक्शन को अपना रोल मॉडल बना लिया। हालत यह हो गई कि मध्यप्रदेश के शहडोल में सांप्रदायिक दंगे में एक ऐसे व्यक्ति का घर ध्वस्त कर दिया गया जो घटना के पहले से किसी अन्य मामले में जेल में बंद था। यही नहीं अयोध्या में रेप के आरोपी समाजवादी पार्टी के एक अल्पसंख्यक नेता का घर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। बाद में डीएनए जाँच में वह बेदाग़ पाया गया। उत्तरप्रदेश में विपक्ष यह भी आरोप लगाता रहा कि जिला परिषद् के चुनाव में सरकार ने बुलडोजर का भय दिखाकर परिणाम अपने पक्ष में कर लिया था लेकिन तब मीडिया, अदालत या किसी अन्य ने इसका नोटिस लेना जरूरी नहीं समझा था।

शीर्ष अदालत का यह फैसला तब आया जब 22 अगस्त 2022 को जमीयत- उलेमा-ए-हिंद ने याचिका दाखिल की। जमीयत ने अपनी याचिका में कहा था कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। याचिका में ह्यूमन राइट्स पर केंद्रित एनजीओ एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया जिसमें अप्रैल से जून 2022 तक भाजपा शासित पाँच राज्यों उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में बुलडोजर एक्शन की 128 घटनाओं का जिक्र किया गया है। हालाँकि इससे पहले भी बुलडोजर एक्शन के बहुतायत मामले हो चुके थे और कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद भी बुलडोजर से घर गिराने का काम जारी रहा। इसी साल 24 जून को बरेली में एक प्लाट पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में पथराव और फायरिंग की घटनाएँ हुई। प्रशासन ने आरोपी बिल्डर के घर, फार्महाउस और रिसॉर्ट को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। इसी तरह मुरादाबाद में अपहरण के एक आरोपी का घर 28 जून को ढहा दिया गया।

सरकार की दलील रही कि घर सरकारी जमीन पर बनाए गए थे और अतिक्रमण हटाने के उद्देश्य से घरों को गिराया गया। अदालत में सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ नहीं बांधे। किसी की भी प्रोपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है कि उसने अपराध किया है बल्कि आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानूनन एक्शन लिया गया है। सवाल उठता है कि अगर अतिक्रमण पर एक्शन लिया गया है तो सरकार का एक्शन 40 -50 साल बाद क्यों लिया गया? फिर अतिक्रमण कराने अथवा इतने दिनों तक इसकी अनदेखी करनेवाले अधिकारियों पर सरकार ने क्या एक्शन लिया? किसी का घर रातोंरात तो नहीं बन जाता है। उसे बनाने में वर्षों लग जाते हैं और व्यक्ति की जीवनभर की कमाई खर्च हो जाती है। सवाल यह भी उठता है कि घर बनाते समय प्रशासनिक अमला किस नींद में सो रहा था? संभवतः अदालत ने यही खोट पकड़ी।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि 'क़ानून को ताख पर रखकर किया गया 'बुलडोजर जस्टिस' असंवैधानिक है। किसी के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं तोड़ा जा सकता कि वह दोषी है। फिर अफसर न्याय करने का काम अपने हाथ में नहीं ले सकते। वे किसी को कोर्ट में मुक़दमा चलाए जाने से पहले दोषी नहीं ठहरा सकते। वे जज नहीं बन सकते। अदालत ने अपने फैसले में आर्टिकल 21 का भी जिक्र किया। इसके तहत लोगों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है। शीर्ष अदालत ने लोगों के घरों में रहने के मौलिक अधिकार को ख़त्म करने के लिए बुलडोजर एक्शन के 'डरावने मंजर' की बात कही। साथ ही बुलडोजर से घरों और प्रतिष्ठानों को गिराने के लिए 15 सूत्री गाइडलाइन भी जारी किया। इसके तहत बुलडोजर एक्शन के 15 दिन पहले रजिस्टर्ड डाक से नोटिस देना शामिल है ताकि आरोपी बचाव के लिए उचित फोरम पर अपना तथ्य रख सके। ऐसा नहीं करने पर संबंधित अधिकारी से व्याज समेत घर बनाने का खर्च वसूल किया जाएगा। बिना उचित कारण बताए कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी और नोटिस भेजने के बाद 15 दिन का समय दिया जाएगा। नोटिस की जानकारी जिला कलेक्टर को देनी अनिवार्य है। इस दौरान अधिकारी पीड़ित व्यक्ति की फ़रियाद सुनेंगे। इसकी रिकार्डिंग की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के लिए एक डिजिटल पोर्टल बनाना अनिवार्य होगा जिसमें कार्रवाई का नोटिस और ऑर्डर की कॉपी अपलोड करना होगा। प्रभावित व्यक्ति के जवाब से असंतुष्ट होने पर दोबारा 15 दिन का नोटिस देना होगा ताकि प्रभावित व्यक्ति अदालत में अपना पक्ष रख सके। अगर अदालत इस बीच मामले पर स्टे नहीं देती है तो प्रोपर्टी गिराई जा सकती है। लेकिन उसकी भी वीडियोग्राफी करानी होगी और उसे पोर्टल पर अपलोड करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम अदालत का यह फैसला आनेवाले दिनों के लिए नजीर बनेगा। अदालत के इस फैसले से आतंक के साए में जीवन बसर कर रहे लोगों को निःसंदेह राहत मिलेगी और सरकार के इशारे पर काम करनेवाले अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'बुलडोजर एक्शन' पर अंकुश लगा पाता है या सरकार और उसके नुमाइंदे इसका कोई तोड़ निकाल लेते हैं। यह तो आनेवाला समय ही बता सकता है।

आज का इतिहास

भारतीय एवं विश्व इतिहास में 16 नवंबर की महत्वपूर्ण घटनाएं इस प्रकार हैं- **1870 »** ओकलाहोमा अमेरिका का 46वां प्रांत बना। 1908» जनरल मोटर्स निगम की स्थापना। 1916 » रूस के ला सतान्या स्थित कारखाने में विस्फोट से 1000 लोगों की मौत। 1930 » भारतीय तैराक मिहिर सेन का जन्म। 1958 में उन्होंने इंग्लिश चैनल पार किया था। 1933 » अमेरिका और सोवियत संघ के बीच राजनयिक संबंध स्थापित। 1945 » विश्व भर की सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करने वाले यूनेस्को का गठन। 1965 » वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड के बारे में पहली सार्वजनिक घोषणा हुई। 1973 » बैटमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद का जन्म। 1975 » यूनाइटेड किंगडम और आइसलैंड के बीच तीसरी कॉड युद्ध शुरू हुआ। 1982 » अमेरिका का पांचवां अंतरिक्ष यान कोलंबिया-5 एडवर्ड सैन्य अड्डे पर उतरा। 1988 » पाकिस्तान में 11 साल बाद आम चुनाव हुए। इस चुनाव में बेनजीर भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। 1996 » मदर टेरेसा को अमेरिका ने मानद नागरिकता प्रदान की। 2013 » सचिन तेंदुलकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संन्यास लेने से पहले अपना आखिरी क्रिकेट मैच खेला। 2017 » जर्मनी में ह्व क्लाइमेट समिट में 19 देशों ने कोयले के इस्तेमाल कम करने की प्रतिज्ञा ली। 2019 » गोटबाया राजपक्षे ने श्रीलंका चुनावों में जीत दर्ज की।

असहिष्णुता शांति ही नहीं, स्वास्थ्य के लिए भी घातक

ललित गर्ग

इस अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस पर हर व्यक्ति को संकल्प लेना चाहिए कि वो स्वयं सहनशील बनेगा तथा अपने बच्चों को सहनशील बनाएगा। क्योंकि सहनशील व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण में शांति और सौहार्द्र कायम रखता है। यह हमारे जीवन के सकारात्मक पहलुओं को उजागर करता है। ऐसे लोग हर स्वभाव के लोगों के साथ तालमेल रखते हैं। आधुनिक युग में रिश्तों में दरार उत्पन्न होने और हिंसा में वृद्धि होने के कारकों में सहनशीलता का अभाव ही है। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है।

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिये हर साल 16 नवंबर के दिन पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस मनाया जाता है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहें, इसी संकल्प के साथ यह दिवस मनाया जाता है। 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती पर संयुक्त राष्ट्र ने सहनशीलता वर्ष मनाया था। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1996 में औपचारिक तौर पर प्रस्ताव पास कर अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस की शुरुआत की थी।

असहिष्णुता की मनोवैज्ञानिक विवेचना यह दर्शाती है कि यह मुख्यतः अनजान कारकों एवं स्थितियों के प्रति संदेह से भरे रवैये से उपजती है। ऐसी मनोवैज्ञानिक स्थिति किसी भी समाज के लिये स्वस्थ मनोदशा का प्रतीक नहीं हो सकती। साथ ही, परस्पर सद्भाव एवं सम्मान के स्थान पर प्रतियोगिता तथा द्वेष से संचालित समाज अंततः बिखराव की तरफ बढ़ने को अभिशप्त होता है। फलस्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिये भी असहिष्णुता के स्तर को नियंत्रण में रखना बहुत आवश्यक है। सहनशीलता का शाब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। बताया जाता है कि सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को दम्भी या अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा आम हो गया है। इतना ही नहीं लोग रिश्ते-नाते भूलकर भी जान लेने और देने पर उतारू हो रहे हैं।

सहनशीलता का जिंदगी में बहुत महत्त्व है। जिसने जीवन में सहन करना सीख लिया वह जिंदगी की हर जंग जीत सकता है। सहिष्णुता जीवन शक्ति का पर्याय है। विश्व के देशों में

सहनशीलता का निरंतर क्षरण हो रहा है। शासक एक दूसरे के विरुद्ध ऐसे बयान जारी कर रहे हैं जिससे विश्व में कटुता और असहिष्णुता का बाजार गर्म हो रहा है। इसी से युद्ध हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन हो या हमास-इजरायल लम्बे समय से युद्ध से झूलस रहे हैं। इजरायल और हमास के बीच पिछले एक साल से लगातार युद्ध चल रहा है. जिसमें अब तक हजारों लोगों की जाने जा चुकी हैं। वहीं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से समूचे विश्व की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित है। बात विश्व की ही नहीं, राष्ट्र एवं समाज की भी है, हर ओर छोटी-छोटी बातों पर उत्तेतना, आक्रोश, हिंसा, नफरत, द्वेष के परिदृश्य व्याप्त है। विश्व सहनशीलता दिवस मनाने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि मानव समुदाय एक दूसरे का सम्मान करें और उन भावनाओं को पुष्ट करें जिससे किसी भी स्थिति में सहिष्णुता को हानि नहीं पहुंचे। ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों से कहा, 'हिंसा का प्रतिकार कभी हिंसा से नहीं करना, बल्कि सहिष्णुता से करना और अगर कोई तुम्हारे एक अंग पर प्रहार करे तो दूसरा अंग भी उसके आगे कर देना।' आततायियों द्वारा सलीब पर चढ़ाए जाते हुए भी ईसा मसीह ने कहा, 'हे ईश्वर, इन्हें क्षमा कर देना क्योंकि ये नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।'

प्राचीन काल और मध्य युग में अहिंसा और सहिष्णुता की जो बातें मनु, बुद्ध, महावीर और नानक ने कही उसी की नई इबारत गांधीजी ने लिखी। किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी पक्ष द्वारा हिंसक मार्ग के अनुसरण को उन्होंने यह कह कर नकारा कि सात्विक दृष्टि से जब सब एक ही परमात्मा के अंश है, आस्था एक ही है तो फिर विद्वेष, प्रतिहिंसा और प्रतियोगिता क्यों? जिस समाज के पास वेदवाणी और गुरुवाणी से लेकर गांधी तक अहिंसावादी विचारों की धरोहर हो, वहां इतनी असहिष्णुता और इतनी हिंसा क्यों? एक बहुत झीनी, नाजुक और पतली-सी दीवार है सहिष्णुता, जिसके पीछे हिंसा, घृणा, वैर विरोध और प्रतिरोध जैसे विकार घात लगाए बैठे हैं। पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक या आर्थिक में से कोई भी कारण सहिष्णुता की नाजुक दीवार को गिराने के लिए काफी हो सकता है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है।

सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद एवं सौहार्द कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है। दूसरों के प्रति असहिष्णुता और वैर भाव देखने वाला व्यक्ति समाज का अहित बाद में और अपना अहित पहले करता है। कारण यह है कि मन में मानसिक शांति और आसुरी तत्व दोनों एक साथ रह ही नहीं सकते। हिंसात्मक विचार और विकार मन से शांति को उखाड़ कर ही अपना स्थान और सामान्य बनाते आए हैं। सहिष्णुता एक उत्प्रेरक है अनेक अनुवर्ती क्रियाओं की। जिस समाज में सहिष्णुता है, वहां क्षमा है। जहां क्षमा है वहां सौहार्द है। जहां सौहार्द है वहां सहयोग और समन्वय है। जहां समन्वय है, वहां शांति है। जहां शांति है, वहां मानव का, समाज का, राष्ट्र और विश्व का विकास है। इसी युग में दुनिया के कई शांतिप्रिय राष्ट्रों की मिसाल हमारे सामने है, जिन्होंने मारामारी, हिंसा और तनातनी से दूर रहकर सामाजिक और आर्थिक विकास की कई बुलंदियों को छुआ है और वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सहिष्णुता के मार्ग का ही अनुसरण किया है।

असहिष्णुता शांति एवं सह-जीवन के लिये ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिये भी घातक है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि चिंता 'चिता' समान और क्रोध 'विनाश' की पहली सीढ़ी होता है। जल्दी उत्तेजित होने वाले जहां अन्य लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, खुद की सेहत से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग उन्हें जकड़ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सही शिक्षा के अभाव में नई पीढ़ी में मानसिक सहनशीलता कम हो रही है। वहीं सामाजिक परिवेश के आकलन के बिना बनाए गए कानून भी आग में घी का काम कर रहे हैं। पढ़ाई व संस्कारों के लिए स्कूलों में डांटना-मारना उत्पीड़न कहा जा रहा है। ऐसे में जहां शिक्षकों को अपमान झेलना पड़ता है। वहीं, युवाओं के हौसले बुलंद हैं। इस समस्या से बचने के लिए सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि दिमाग को भी मजबूत करना पड़ेगा। इस अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस पर हर व्यक्ति को संकल्प लेना चाहिए कि वो स्वयं सहनशील बनेगा तथा अपने बच्चों को सहनशील बनाएगा। क्योंकि सहनशील व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण में शांति और सौहार्द्र कायम रखता है। यह हमारे जीवन के सकारात्मक पहलुओं को उजागर करता है। ऐसे लोग हर स्वभाव के लोगों के साथ तालमेल रखते हैं। आधुनिक युग में रिश्तों में दरार उत्पन्न होने और हिंसा में वृद्धि होने के कारकों में सहनशीलता का अभाव ही है। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है।

परीक्षाओं में सफलता के गुर

आजकल प्रतिष्ठित संस्थानों के कोर्सेज और तमाम तरह की जाब्स में सही उम्मीदवारों के चयन के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का चलन काफी बढ़ गया है। इसके पीछे प्रमुख तौर पर दो कारण गिनवाए जा सकते हैं। पहला तो यह कि इच्छुक प्रत्याशियों की तुलना में सीटों की संख्या अत्यंत सीमित होती है। दूसरा कारण यह कि सही एप्टीट्यूड वाले प्रत्याशियों के चयन पर अब अधिक जोर दिया जाने लगा है। इससे युवाओं को इस तरह की चयन प्रक्रिया में न सिर्फ आपसी स्पर्धा का सामना करना पड़ता है, बल्कि इसके साथ ही चयनकर्ताओं की कसौटी पर भी खरा उतरने की गहन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। ऐसे में सफल होने के लिए प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा के स्वरूप एवं चयनकर्ताओं की अपेक्षाओं को समझना बहुत जरूरी हो जाता है, ताकि उसी के अनुसार तैयारी की जा सके।

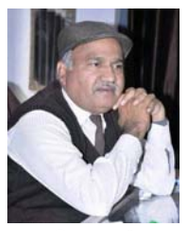

विजय गर्ग

अक्सर यह देखा गया है कि तमाम परीक्षाओं में प्रत्याशी अच्छी तैयारी करने के बाद भी महज कुछ अंकों से कटआफ या मेरिट में सही जगह बनाने से चूक जाते हैं। ये कुछ अंक थोड़ी सी सावधानी बरतकर बहुत आसानी से हासिल किया जा सकता है, जैसे कि परीक्षा दिशानिर्देशों को समझनाः युवा अक्सर यह सोचने की गलती कर बैठते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाएं एक जैसी होती हैं और इसीलिए एक ही तरह से तैयारी करने में लग जाते हैं। यह एक बहुत बड़ा कारण है अथक मेहनत के बावजूद युवाओं का सफलता की सीढ़ियों से फिसलने का। इसके लिए सबसे पहले उक्त चयन परीक्षा से संबंधित गाइडलाइन या

दिशा-निर्देशों को पूरा ध्यान लगाकर पढ़ना और समझना चाहिए। इसमें कुछ भी उलझन हो तो सही स्रोत से स्पष्टीकरण लेना न भूलें।

परीक्षा का स्वरूपः तैयारी शुरू करने से पूर्व यह पता होना आवश्यक है। कि परीक्षा आब्जेक्टिव टाइप है या सब्जेक्टिव । अंकों के मान के अनुसार सब्जेक्टिव प्रश्नों के उत्तर के शब्दों की संख्या का निर्धारण कर लेना चाहिए। अक्सर देखने में आया है कि जितना आता है, सब लिखने के चक्कर में युवा परीक्षा का बहुमूल्य समय गंवा देते हैं। निगेटिव मार्क्सः जिस परीक्षा की आप तैयारी करने जा रहे हैं, उसमें निगेटिव अंकों का प्रविधान है या नहीं, इस बात को भी शुरू में ही पता कर लेना चाहिए। फिर उसी अनुसार तैयारी की बारीकियों पर ध्यान देना चाहिए। यदि किसी परीक्षा में निगेटिव अंकों का प्रविधान है, तो सिर्फ और सिर्फ सही उत्तर पर ही पूर्ण आश्वस्त होने पर निशान लगाएं। तुक्केबाजी से बिल्कुल बचें, अन्यथा परीक्षा में अंक गंवाने के साथ ही आपकी यह आदत आपको मेरिट से भी बाहर कर सकती है।

कई सहायक पुस्तकों से बचें एक सामान्य गलती जो अक्सर देखने को मिलती है, वह यह है कि युवा एक ही प्रश्नपत्र की तैयारी कई तरह की पुस्तकों से करने की रणनीति अपनाते हैं, जो कतई सही नहीं है। इससे समय ज्यादा बर्बाद होता है और ठीक से रिवीजन भी नहीं हो पाता है। इसलिए बेहतर होगा कि किसी एक अच्छी मानक पुस्तक / सहायक पुस्तक पर ही फोकस करें, उसे ही बार-बार दोहराएं।

कई परीक्षाओं की तैयारी एक साथ न करें : भरसक प्रयास करें कि एकसमय में एक चयन परीक्षा पर ही पूरा ध्यान लगाएं। यदि बहुत जरूरी लगे, तो ज्यादा से ज्यादा एक जैसी दो परीक्षाओं की तैयारी साथ में कर सकते हैं।

व्यावहारिक समय सारणी » परीक्षा के सिलेबस और विभिन्न विषयों को प्रतिदिन समुचित समय कैसे दिया जाए, इसके लिए एक व्यावहारिक समय सारणी जरूर निर्धारित करें। इससे प्रत्येक दिन के लिए पढ़ाई का टारगेट पूरा करने में आसानी होगी। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि यह समय सारणी आपकी क्षमताओं के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि रोजाना का लक्ष्य आसानी से पूरा हो जाए।

साप्ताहिक रिवीजन » सप्ताह में जितनी भी पढ़ाई करें, उसके रिवीजन के लिए एक पूरा दिन अवश्य दें। इससे भूलने का खतरा कम होगा। इसलिए सभी होनहार अभ्यर्थी पढ़ाई के साथ- साथ रिवीजन पर भी पूरा ध्यान देते हैं।

क्या पढ़ें और क्या छोड़ें प्रायः ऐसी परीक्षाओं का सिलेबस अत्यंत विस्तृत होता है। सभी कुछ पढ़ पाना नामुमकिन होता है। ऐसे में किन टापिक्स पर समय लगाया जाए और किन्हें छोड़ा जाए, इसका निर्धारण आप पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों से कर सकते हैं।

मिर्गी पीड़ितों के जीवन को सरल बनाने में जागरूकता की भूमिका अहम

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

अगर हम मिर्गी प्रबंधन की करें तोउपचार के विकल्प-चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति के कारण, मिर्गी को अक्सर उपचार के साथ प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। मिर्गी के प्रबंधन के लिए कुछ सामान्य दृष्टिकोण इस प्रकार हैं,दवा- मिर्गी के इलाज के लिए एंटीएपिलेप्टिक दवाएँ सबसे आम तरीका है। ये दवाएँ लगभग 70 प्रतिशत रोगियों में दौरे को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। एक बार निदान हो जाने के बाद, डॉक्टर दौरे के प्रकार और आवृत्ति के आधार पर ये लिखते हैं।

वैश्विक स्तर पर दुनियाँ का हर देश इस आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी युगमें भी अनेक प्रकार की बीमारियों रोगों से ग्रस्त है, क्योंकि अभी भी कुछ ऐसी बीमारियां व रोग हैं जो लाइलाज हैं, हालांकि उन पर नियंत्रण के लिए सटीक उपचारों का शोध निरंतर जारी है, परंतु इस बीच कोविड-19 जैसे संक्रमण रोग व उनके विभिन्न वेरिएंट आ जाते हैं जिससे पूरे विश्व में लाखों लोगों की जान चली जाती है, जिसका सटीक उदाहरण हमने कोविड-19 महामारी में देखें।अभी कैंसर जैसी बीमारी का तीव्रता से विस्तार हो रहा है, इसलिए उपचार के साथसाथ अब यह अत्यंत जरूरी हो गया है कि उन बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उनके जीवन शैली परिवर्तन विकारों को त्यागना का उनमें जन जागरण बढ़ाना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज हम इस जागरूकता की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 17नवंबर 2024 को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस है, जिसमें हम शैक्षिक अभियान, सामूहिक कार्यक्रम व चर्चाएं आयोजित कर पीड़ितों में जन जागृत उत्पन्न करते हैं।बता दें,सबसे पहले यह माना जाता है की यह एक संक्रामक बीमारी है जिस कारण मरीज की कोई सहायता करने से भी डरता है लेकिन यह एक असंक्रामक बीमारी है और हमारे अंदर नहीं फैल सकती है। दूसरी अफवाह यह है की अगर किसी को दौरे पड़ रहे हैं तो उसे भूत प्रेत और जादू टोने से जोड़ दिया जाता है जो पूरी तरह से झूठ है। मिर्गी के मरीज को जूता सुंघाना, उसके मुंह में चम्मच डालना भी आधार रहित बातें हैं,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, किसी भी रोग के उपचार के साथ जीवन शैली में परिवर्तन, रोग को बढ़ावा देने वाले कारकों से बचना व सुरक्षा उपायों के पालन में जागरूकता एक सटीक अस्त्र है। बता दें इस आर्टिकल मैं बताई गई बातों की सटीकता का कोई प्रमाण नहीं है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 17 नवंबर 2024 की करें तो,भारत में हर साल 17 नवंबर को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस मनाया जाता है, जो मिर्गी के बारे में अधिक समझ औरजागरूकता की आवश्यकता के एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है,एकन्यूरोलॉजिकल विकार जो दुनियाँ भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। इस दिन का उद्देश्य मिर्गी से पीड़ित लोगों को

सहायता प्रदान करना, लोगों को शिक्षित करना और इस स्थिति से जुड़े कलंक को कम करना है। उचित जागरूकता और उपचार के साथ, मिर्गी को अक्सर प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है, जिससे लोग संतुष्ट जीवन जी सकते।मिर्गी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो मस्तिष्क में अचानक विद्युत गतिविधि के फटने के कारण बार-बार, बिना किसी कारण के दौरे पड़ने से चिह्नित होता है। ये दौरे प्रकार और तीव्रता में भिन्न हो सकते हैं, जागरूकता में संक्षिप्त चूक से लेकर तीव्र ऐंठन तक, और शारीरिक, भावनात्मक या व्यवहार संबंधी लक्षणों के साथ हो सकते हैं। सभी उम्र, लिंग और पृष्ठभूमि के लोग मिर्गी से प्रभावित हो सकते हैं, और इस स्थिति के लिए अक्सर आजीवन प्रबंधन कीआवश्यकता होती है।

साथियों बात अगर हम मिर्गी दिवस के लक्ष्य और उद्देश्यों की करें तो,राष्ट्रीय मिर्गी दिवस का लक्ष्य न केवल जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि लोगों को समय पर निदान और उपचार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना, जनता को शिक्षित करना और मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी समाज का निर्माण करना भी है।मिर्गी से पीड़ित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जागरूकता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर, लोगों को इस स्थिति के बारे में जानकारी देने, कलंक को कम करने और कार्रवाई के लिए प्रेरित करने के लिए शैक्षिक अभियान, सामुदायिक कार्यक्रम और चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वकालत समूह इस दिन का उपयोग रोगियों की कहानियाँ साझा करने, अंतर्दृष्टि प्रदान करने और मिर्गी के प्रभावों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए करते हैं।जागरूकता बढ़ाने से उपचार की उपलब्धता में अंतर को पाटने में भी मदद मिल सकती है,खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में जहां स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सीमित हो सकती है।जागरूकता बढ़ाकर, राष्ट्रीय मिर्गी दिवस एक अधिक सूचित और दयालुसमाज बनाने में मदद करता है। साथियों बात अगर हम मिर्गी के भारत और वैश्विक प्रभाव की करें तो,मिर्गी वैश्विक आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को प्रभावित करती है, कुछ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा और उपचार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी दर विशेष रूप से उच्च है।यहाँ कुछ प्रमुख आँकड़े दिए गए हैंवैश्विक प्रभाव-2018 के एक अध्ययन के अनुसार, दुनियाँ भर में 7 करोड़ से ज़्यादा लोग मिर्गी से पीड़ित हैं। इसमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हैं, हालाँकि कम और मध्यम आय वाले देशों में इसका प्रचलन अक्सर ज़्यादा होता है। भारतीय संदर्भ-अकेले भारत मे ही लगभग 1.2 करोड़ लोग मिर्गी से पीड़ित हैं। यह वैश्विक मिर्गी के बोझ का एक बड़ा हिस्सा है और देश में जागरूकता और सहायता के महत्व को दर्शाता है।वैश्विक स्तरपर, मिर्गी का प्रचलन प्रति 1,000 लोगों पर लगभग 5-9 मामलों का अनुमान है। हालाँकि, कुछ क्षेत्रों में, ये दरें और भी अधिक हो सकती हैं।2010 के ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) विश्लेषण के अनुसार, मिर्गी वैश्विक बीमारी के बोझ का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि हर साल 1.7 करोड़ से ज़्यादा विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) का नुकसान होता है।भारत में बच्चे-भारत में मिर्गी 8-12 वर्ष की आयु के बच्चों में विशेष रूप से प्रचलित है, पाँच साल की व्यापकता दर प्रति 1,000 बच्चों में 22.2 है। यह युवा व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए निदान, उपचार और स

मुख्य समाचार

छोटी काशी मंडी में पहली बार मना मांडव्य उत्सव

एजेंसी

मंडी, » हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी माने जाने वाली छोटी काशी मंडी में पुरातन परंपरा और संस्कृति को संजोए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। ऐसे ही इतिहास से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत नगर निगम मंडी ने की है, जिसे मांडव्य उत्सव का नाम दिया गया है। यह पहला मौका है, जब इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के पड्डल स्थित मांडव शीला तक एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।एक दिवसीय कार्यक्रम में धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं के साथ कई स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में पहली बार राज माधव राय ने भी पालकी पर सवार होकर मांडव शीला तक गए और यहां पर पूजा-अर्चना में भाग लिया। वहीं शोभा यात्रा में जगजननी लक्ष्मी, माता काली, माता उग्रतारा के देव रथों ने भी चार चांद लगा दिए। इस दौरान सबसे पहले राज माधव राय की पूजा-अर्चना की गई उसके बाद बाबा भूतनाथ मंदिर में पूजा की गई और फिर ढोल नगाड़ों और अन्य वाद्ययंत्रों की धुनों पर थिरकते हुए सभी लोग मांडव शीला के पास पहुंचे। यहां पर धर्म संघ के द्वारा हवन यज्ञ और पाठ किया गया, जिसे पूर्णाहुति के साथ संपन्न किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भजन आदि प्रस्तुति विभिन्न स्कूली बच्चों और कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत की गई। शोभा यात्रा में सदर विधायक अनिल शर्मा भी शामिल रहे। इस मौके पर मंडी नगर निगम के मेयर विरेंद्र भट्ट ने बताया कि जिन ऋषि के नाम पर मंडी का नाम पड़ा उनका एक भी उत्सव नहीं मनाया जाता था। लेकिन सभी प्रबुद्ध लोगों के परामर्श के बाद इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, जो आने वाले समय में और भी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने भी इस मौके को ऐतिहासिक करार दिया है और इस तरह के कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

पेट्रोल पंप लूट घटना के दो आरोपी मुठभेड़ में घायल

एजेंसी

सोनीपत » हरियाणा में कुछ दिन पहले पेट्रोल पंप पर लूट की एक घटना के दो आरोपी शुक्रवार को सोनीपत जिला सीआईए टीम के साथ मुठभेड़ में घायल हो गये। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले पेट्रोल पंप पर दो कर्मचारियों और एक ट्रक चालक को गोली मारकर लूट की घटना को अंजाम देने के आरोपी जीतेन्द्र और विक्की के रेवली गाँव के निकट छिपे होने की सूचना पुलिस को मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने वहां दबिश दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में दोनों घायल हो गये। दोनों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, गम्भीर अवस्था के कारण जहां से उन्हें पीजीआई, रोहतक रेफर किया गया।

जालंधर में 184 ग्राम हेरोइन के साथ तंजानिया की महिला गिरफ्तार

एजेंसी/जालंधर » अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने गुरुवार को आदमपुर में एक विशेष अभियान के दौरान एक तंजानियाई नागरिक को गिरफ्तार किया और उसके पास से 184 ग्राम हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पदिवा निमते भयाल लाभ खैराती फैबियन सेमविजा, रॉकी फैबियन की बेटी, कलिको पुलिस स्टेशन मुचिंगा, तंजानिया की निवासी के रूप में हुई है। वह वर्तमान में दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में रह रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमल प्रीत सिंह खख ने शुक्रवार को बताया कि यह अभियान जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा था। उन्होंने कहा,'हमारी टीमें क्षेत्र में सक्रिय मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क की पहचान करने और उन्हें नष्ट करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।' आदमपुर में प्राइम सिटी चूहरवाली के पास नियमित गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक महिला को संदिग्ध व्यवहार करते हुए देखा। पुलिस की मौजूदगी को देखते हुए, उसने पास की घास में एक पैकेट फेंकने का प्रयास किया, जिसे टीम के साथ मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तुरंत बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने बमुश्किल एक महीने पहले ही भारत में प्रवेश किया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क से उसके संभावित संबंध होने का पता चलता है। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसके कनेक्शन का पता लगाने के लिए कॉल डिटेल्स का विश्लेषण कर रही है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस ड्रग सप्लाई चेन के आगे और पीछे के लिंकेज की जांच के लिए उसका रिमांड मांगेगी।

मुख्यमंत्री ने किसानों के खातों में बोनस की दूसरी किस्त के तीन सौ करोड़ रूपए जारी किए

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़ । प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री नसब सिंह सैनी ने प्रदेश के किसानों को तोहफा देते हुए एक क्लिक से 2 लाख 62 हज़ार किसानों के बैंक खातों में 300 करोड़ रुपये की बोनस राशि जारी की।

इस अवसर पर शुक्रवार को यहां पत्रकारो को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए खरीफ-2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम के कारण राज्य में कृषि एवं बागवानी फसलों पर 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला किया। मुख्यमंत्री द्वारा 16 अगस्त, 2024 को पहली किस्त की अदायगी के रूप में अब तक 496 करोड़ रुपये की बोनस राशि सीधे 5 लाख 80 हज़ार किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई थी। आज दूसरी किस्त के रूप में 300 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

उन्होंने कहा कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर जिन किसानों ने अपना पंजीकरण करवाया हुआ है, उन सभी किसानों को यह बोनस राशि दी जाएगी। कुल 1380 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी जानी है। अभी तक दो किस्तों में भुगतान किया जा चुका है। इसी कड़ी में तीसरी किस्त के रूप में शेष 4 लाख 94 हज़ार किसानों की बोनस राशि 580 करोड़ रुपये भी अगले 10 से 15 दिनों में डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में वितरित कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आज किसानों के लिए एक और पहल करते हुए व्हाट्सएप के माध्यम से 40 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का भी शुभारंभ किया। इससे अब किसानों के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जाएंगे। जैसे ही उसकी मिट्टी के नमूने के परीक्षण के परिणाम

हरियाणा के मुख्यमंत्री नसब सिंह सैनी चंडीगढ़ में हरियाणा निवास में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए।

पोर्टल पर ऑनलाइन हो जाएंगे, मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के व्हाट्सएप नंबर पर पहुंच जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर 3 वर्ष के बाद मृदा की जांच करके किसानों को अपने खेतों में बीज की मात्रा, आवश्यक उर्वरकों का उपयोग जैसी जानकारियां दी जाती हैं, जिससे किसान अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। इन मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार खाद डालने के लिये प्रोत्साहित होंगे। साथ ही, समय पर वितरण से किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग बढ़ेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।

उल्लेखनीय है कि मृदा उर्वरता मूल्यांकन का पहला विस्तृत अध्ययन हरियाणा में वर्ष 2021-22 के दौरान 'प्रत्येक एकड़ कृषि भूमि के लिये मृदा स्वास्थ्य कार्ड' प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था। इस योजना में प्रदेश की एक-एक एकड़ कृषि भूमि का मृदा नमूना इकट्ठा करने के बाद उनका परीक्षण किया जा रहा है और किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। ये मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को अधिकतम उपज और अधिकतम शुद्ध रिटर्न प्राप्त करने के लिए, किस फसल में कौन सा और कितना उर्वरक डालना है इत्यादि के बारे में मार्गदर्शन करते हैं।

ये मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों की आय बढ़ाने और लागत को कम करने के लिए आवश्यक है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिश के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग नाइट्रोजन उर्वरक के अत्यधिक उपयोग को हतोत्साहित करेगा, इसलिए संतुलित पोषण को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, उर्वरक के अत्यधिक उपयोग को कम करने से जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा में मदद मिलेगी। हरियाणा राज्य में मिट्टी परीक्षण का एक विस्तृत नेटवर्क है, जहां किसानों के पास मिट्टी परीक्षण के लिए आसान पहुंच है। 20-25 किलोमीटर की परिधि में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की उपलब्धता है। राज्य में 106 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं, जहां मिट्टी के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है। ये सभी मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं नवीनतम उपकरणों से लैस हैं। विभाग ने इस कार्य के लिए अपना पोर्टल विकसित किया है, जहां मृदा स्वास्थ्य कार्ड के रूप में फसलों में उर्वरक डालने के लिए परामर्श तैयार किया जाता है।

मंडी के ऐतिहासिक गुरुद्वारा पड्डल में भी दिखी गुरुपर्व की धूम

एजेंसी

मंडी, » हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिमाचल प्रदेश के छोटी काशी मंडी में गुरू नानक देव जी के प्रकटोत्सव को बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मंडी शहर के पड्डल स्थित ऐतिहासिक गुरू गोबिंद सिंह गुरूद्वारे में इस दिन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां गुरुद्वारे में दिन भर गुरू नानक जी के वचनों को संगतों को सुनाया गया और उनके बताए गए मार्ग पर चलने का सभी से आहवान किया गया।

इस दौरान विभिन्न स्थानों से आए रागी जत्थों ने शब्द कीर्तनों के माध्यम से गुरु की महिमा का गुणगान किया।सिख धर्म के पहले गुरु माने जाने वाले नानक देव जी के प्रकटोत्सव पर कई और प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जिसमें गुरु जी के बलिदान और जीवन वृतांत को दर्शाने का प्रयास किया गया। इस पावन पर्व पर गुरु का अटूट लंगर भी लगाया गया जिसमें सभी भक्तजनों को प्रसाद बांटा गया। गुरु गोबिंद सिंह गुरुद्वारा पड्डल प्रबंधन समिति के सचिव निर्मल सिंह बाजवा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु नानक देव जी के प्रकटोत्सव पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी साध संगतों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने सभी को सही और सादा जीवन व्यतीत करने और कभी भी किसी का हक नहीं मारने का संदेश दिया है जिसे आज भी याद किया गया और गुरु नानक देव के बताए मार्ग पर चलने का प्रण लिया गया।

गुरु पर्व को लेकर बीते दो तीन दिनों से गुरु घर में विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जो आज संपन्न हो गया। गुरु पर्व के दौरान चौहाणी साहिब से रागी जत्थों ने शब्द कीर्तन किया और वहीं चीमा साहिब से आए पाठियों ने अखंड पाठ का जाप किया।

शहरी विधानसभा में ₹3.50 करोड़ की लागत से होंगे नवीनीकरण कार्य, विधायक विज ने किया निर्माण कार्यों का शिलान्यास

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » शहरी विधानसभा के वार्ड 19 में एससी बस्तियों के जीर्णोधार के कार्य 3.50 करोड़ की लागत से किए जाएंगे। विधायक प्रमोद विज द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि लंबे समय से एससी बस्तियों के जीर्णोधार के लिए प्रयासरत विधायक प्रमोद विज के प्रयास अब सिरे चढ़ने जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने विज की पहल पर पानीपत की सभी 28 बस्तियों के जीर्णोधार हेतु 44 करोड़ की राशि प्रेषित की है। उन्होंने बताया कि इस राशि से बस्तियों के पुनरुत्थान के दौरान गली, नाली, सीवरेज और ड्रेन बनाने के कार्य होंगे। जिससे जनजीवन पहले से बेहतर हो सके।

विधायक विज ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सौभाग्य शाली है जो प्रदेश को संवेदनशील मुख्यमंत्री के रूप में ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो सदैव गरीब कल्याण हेतु चिंता करते हैं, वो उनका बस्तियों की जीर्णोधार की राशि भेजने हेतु पानीपत की जनता उनका आभार व्यक्त करती हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश भारद्वाज, महामंत्री बलवान सरोहा, राजवीर चौहान, भाजपा नेता जसमेर शर्मा, काला प्रधान, सैनी मोंगा, प्रताप जागलान, डिंपी गुलयानी, मंगत राम, अजय शर्मा, संदीप गर्ग एवं समस्त सम्मानित जन मौजूद रहे।

50 लाख की लागत से बनेगी खटीक धर्मशाला

वार्ड 19 में लगभग 50 लाख की लागत से खटीक धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। विधायक द्वारा शहर में लगभग 128 भवन बनाने का कार्य किया जा रहा है। विधायक ने अपने वादे के अनुसार खटीक धर्मशाला बनवाने के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया।

वार्ड 16 में 30 लाख की लागत से बनेगा आर सी सी नाला

शहर के वार्ड 16 में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु लगभग 30 लाख की लागत से रेलवे फाटक से अनाज मंडी तक आर.सी.सी नाले का निर्माण किया जायेगा। विधायक विज ने निवर्तमान पार्षद अतर सिंह रावल और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

दूध के दाम बढ़ाने का सिलसिला आगे भी जारी रखेंगे: सुक्खू

एजेंसी

शिमला » हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को रामपुर विधानसभा क्षेत्र के दत्तनगर में 25.67 करोड़ रुपये की लागत से तैयार मिल्कफेड के 50 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले नए दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र का शुभारम्भ किया। यहां पहले से ही 20 हजार लीटर क्षमता का संयंत्र स्थापित है, जिससे अब इस संयंत्र की क्षमता 70 हजार लीटर प्रतिदिन हो गई है। इस संयंत्र में फ्लेवर्ड मिल्क, खोया, घी, मक्खन, पनीर, लस्सी तथा दही का उत्पादन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संयंत्र की क्षमता बढ़ने से चार जिलों शिमला, कुल्लू, मंडी तथा किन्नौर के दुग्ध उत्पादक लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र की 271 दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े लगभग 20 हजार किसानों को लाभ मिलेगा।

श्री सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश दुग्ध संघ के अधिकारियों को आधुनिक तकनीक को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 31 मार्च, 2025 तक एक ऐसा डिजिटल प्रणाली शुरू करें, जिससे दूध की खरीद में पारदर्शिता आए और किसानों को एसएमएस के माध्यम से उनके दूध की गुणवत्ता और उसके मूल्य की जानकारी प्रदान की जाए। इस प्रणाली के तहत दूध की खरीद का रियल टाइम डाटा उपलब्ध हो और किसानों को पैसा सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो सके।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के बजट का पहला बिंदु ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है ताकि किसान परिवारों की आर्थिकी बेहतर हो सके और वे बेहतर जीवन-यापन कर सकें। उन्होंने कहा कि लोग अपने गांव में बेहतर जीवन जी सकें, यही वर्तमान राज्य सरकार का व्यवस्था परिवर्तन है। सभी विभागों में सुधार किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा,'मैंने कभी भी राजनीतिक लाभ के लिए काम नहीं किया। मैं आम परिवार से सम्बंध रखता हूं और मेरी माता भी गांव में खेती करती है। कोई भी किसान दूध का दाम बढ़ाने की मांग को लेकर मेरे पास नहीं आया, लेकिन मैंने गांव के लोगों के हाथ में पैसा पहुंचाने के लिए दूध का दाम 13-15 रुपये बढ़ाया। यह सिलसिला यहीं रुकने वाला नहीं है और आने समय में पशुपालकों को और भी सौगातें देंगे।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मनरेगा की दिहाड़ी में ऐतिहासिक 60 रुपये की वृद्धि कर इसे 300 रुपये किया है। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती से उत्पन्न मक्की को 30 रुपये तथा गेंहू को 40 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्की की खरीद शुरू हो चुकी है और अगले सीजन से गेहूं की खरीद भी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों का भी राज्य की संपदा पर अधिकार है, इसलिए राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है।श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार विपक्ष के दुष्प्रचार से राज्य सरकार विचलित नहीं होगी और जनता के लिए बेहतर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व की जयराम ठाकुर सरकार ने बिना बजट और बिना स्टाफ के शिक्षण संस्थान व स्वास्थ्य संस्थान खोल दिए। चुनावी लाभ के लिए 5000 करोड़ की रेवड़ियां बांटीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पशु पालन विभाग में 900 वेटनरी फार्मासिस्ट की भर्ती करने जा रही है ताकि पशुपालकों को उनके घर-द्वार पर बेहतर सुविधाएं मिल सकें। डबल इंजन सरकार की कमियों के कारण हिमाचल प्रदेश गुणात्मक सुविधाएं प्रदान करने में देशभर में पिछड़ गया।

सांस्कृतिक विरासत का अनुसरण करना चाहिए: शुक्ल

एजेंसी

शिमला » हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शुक्रवार को कहा कि संस्कृति हमारी विरासत है और हमें अपनी विरासत का अनुसरण करना चाहिए, तभी हम समृद्ध हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्री रेणुका जी हिमाचल का सबसे सुंदर तीर्थ स्थल है। माता श्री रेणुका जी और भगवान परशुराम जी के मिलन की यह परम्परा और रेणुका झील लोगों के आकर्षण का केंद्र है तथा लोग इस सदियों पुरानी परंपरा का उत्साहपूर्वक पालन करते हैं।

राज्यपाल सिरमौर जिला के अंतरराष्ट्रीय श्री रेणुका जी मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर लेडी गवर्नर एवं राज्य रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण अनुभाग की अध्यक्ष जानकी शुक्ला भी उपस्थित थीं।श्री शुक्ल ने कहा कि मेले और त्योहार वर्षों से हमारी संस्कृति का पोषण करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध संस्कृति को बचाए रखने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी की है। राज्यपाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि जिस प्रकार हमारा समाज समृद्धि की ओर बढ़ रहा है, हम अपने मूल्यों को भी अक्षुण्ण बनाए रखें। श्री शुक्ल ने कहा कि श्री रेणुका जी मेला भगवान परशुराम का उनकी माता श्री रेणुका जी के प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है तथा यह भारतीय समाज के समृद्ध मूल्यों का संवर्द्धन करता है। उन्होंने कहा कि मेले और त्योहार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं तथा इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी तथा कहा कि श्री रेणुका जी का अपना धार्मिक महत्व है। इस पवित्र स्थान पर पूजा-अर्चना के लिए पूरे भारत से लोग यहां आते हैं।

उन्होंने भगवान परशुराम जी और माता श्री रेणुका जी मंदिर में पूजा-अर्चना की और देव-विदाई शोभा यात्रा में भी भाग लिया। इससे पूर्व राज्यपाल ने स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत प्रसिद्ध सिरमौरी सिंगटू नृत्य भी देखा। उपायुक्त एवं श्री रेणुका जी विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष सुमित खिमटा ने राज्यपाल का स्वागत किया और मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मेले के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने इस अवसर पर लेडी गवर्नर को भी सम्मानित किया।राज्यपाल ने विभिन्न विभागों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रदर्शनी में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर उद्योग विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार भी प्रदान किया गया। राज्यपाल का सिरमौर पहुंचने पर बिरला हेलीपैड पर स्थानीय विधायक अजय सोलंकी, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। रेणुका विकास बोर्ड के पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का गौरव बनेंगे भगवान बिरसा मुंडा

जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा उद्यान में भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा का केंद्रीय गृह मंत्री, ऊर्जा मंत्री और दिल्ली उपराज्यपाल ने किया अनावरण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्र सरकार ने बड़ा सम्मान दिया है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा देशभर के लोगों के साथ दिल्ली में आने वाले यात्रियों के लिए प्रेरणादायक साबित होंगे। जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा उद्यान में भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल तथा दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने जनजातीय गौरव दिवस पर प्रतिमा का अनावरण किया। मनोहर लाल ने भगवान बिरसा मुंडा की 150 जयंती पर जनजातीय समुदाय का सम्मान बढ़ाते हुए आवासन एवं शहरी विकास मंत्री के नाते सराये काले खां आईएसबीटी चौक का नाम बदलकर भगवान बिरसा मुंडा चौक करने का ऐलान किया। मनोहर लाल का यह ऐलान जनजातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय जातियों और उनकी कल एवं परंपरा को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रेरक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'धरती आबा' के रूप में सम्मानित भगवान बिरसा ने ब्रिटिश उत्पीड़न के विरुद्ध 'उलगुलान' या मुंडा विद्रोह का संचालन किया। यह एक विद्रोह से कहीं बढ़कर न्याय और सांस्कृतिक पहचान के लिए था। उनकी सूझबूझ ने जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर खेती करने के अधिकार और जनजातीय रीति-रिवाजों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिरसा मुंडा की विरासत के स्मरणोत्सव का उद्देश्य लंबे समय से उपेक्षित जनजातीय इतिहास को भारत के इतिहास के केंद्र में स्थापित करना है। मानव जाति के बेहतर भविष्य के लिए जनजातीय समाज की इस विशेषता को पोषित करने के लिए ही पिछले दशक में सरकार ने भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक तानेबाने में जनजातीय समुदायों के महत्व को उचित मान्यता देने के लिए व्यापक प्रयास शुरू किए।

केंद्र सरकार ने 10 सालों जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए काम : मनोहर

मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 सालों में जनजातीय समुदाय के लिए 58 लाख आवास, 1.5 करोड़ शौचालय और 91 लाख आयुष्मान कार्ड बनवाए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है और जनजातीय शौर्य और वीरता को सम्मान दिया जाता है। 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति के नए अध्यक्ष के रूप में किया गया नामित

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मीनू ने बताया कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सर्वोच्च न्यायालय लीगल सर्विसेज कमेटी एस.सी.एल.एस.सी के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा मनोनीत किया गया है। इस आशय की अधिसूचना 12 नवंबर 2024 को आधिकारिक राजपत्र में नालसा द्वारा प्रकाशित भी की गई है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले यह पद न्यायमूर्ति बी.आर.गवई के पास था, जिन्हें हाल ही में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है।सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेष रूप से समाज के हाशिए पर पड़े और वंचित वर्गों के लिए जिन्हें देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने में वित्तीय या सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मीनू ने बताया कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा की उप धारा 2 के खंड बी द्वारा प्रदत शक्तियों के तहत नियुक्ति की गई है। यह 11 नवंबर 2024 से प्रभावी है। इस आशय की घोषणा भारत सरकार की विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 8 नवंबर 2024 को आधिकारिक रूप में प्रकाशित भी की गई है। इससे पूर्व में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना इसके पिछले कार्यकारी अध्यक्ष थे। उन्होंने बताया कि नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपने नामांकन से पहले न्यायमूर्ति बी.आर. गवई सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के अध्यक्ष थे। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में माननीय न्यायमूर्ति बी.आर.गवई नालसा के मिशन का नेतृत्व करेंगे जो सभी नागरिकों विशेष रूप से समाज के हाशिए पर पड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को सुलभ और मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेगा। उनके नेतृत्व से नालसा की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्य समाचार

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गुरुद्वारा नाडा साहिब में टेका माथा

555वें प्रकाश पर्व पर प्रदेश वासियों के कल्याण की कामना की

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व के अवसर पर पंचकूला स्थित गुरुद्वारा नाडा साहिब में माथा टेका। इस दौरान विस अध्यक्ष ने प्रदेश वासियों के कल्याण की कामना की और साथ ही विश्वास जताया कि श्री गुरु साहिबान के आशीर्वाद से हरियाणा वैभव के पथ पर अग्रसर रहेगा। कल्याण ने कहा कि गुरु साहिब की उदासियां अद्वितीय थीं। इनके माध्यम से उन्होंने विश्व में शांति, प्रेम और समानता के आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सद्भाव, सहनशीलता, भाईचारे और आपसी प्रेम का जो रास्ता दिखलाया है, हम सभी को उसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। ऐसा करके ही मानव समाज का कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक बोध, सांसारिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के लिए श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को सदा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने सदियों पहले मानवता को %किरत करो, नाम जपो और वंड छको% का पाठ पढ़ाया। इस पाठ की आज भी उतनी ही प्रासंगिकता है, जितनी कि गुरु नानक देव जी के समय में थी।

भारतीय ग्रेपलिंग कमेटी द्वारा रजनी बेनीवाल को उप निदेशक नियुक्त किया गया

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » शुक्रवार को पानीपत निवासी प्रसिद्ध मॉडल रजनी बेनीवाल को भारतीय ग्रेपलिंग समिति द्वारा कुश्ती का प्रमोशन एवं एंटरटेनमेंट

विभाग का डिप्टी डायरेक्टर नियुक्त किया गया। भारतीय ग्रेपलिंग समिति के चेयरमैन दिनेश कपूर और सचिव बिरजू शर्मा द्वारा जारी आदेश में मॉडल रजनी बेनीवाल को कुश्ती को बढ़ावा और सत्कार के लिए उप निदेशक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर रजनी बेनीवाल ने बताया कि भारतीय ग्रेपलिंग समिति द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसे निभाते हुए ग्रेपलिंग कुश्ती को बढ़ावा देने का भरसक प्रयास किया जाएगा। रजनी ने भारतीय ग्रेपलिंग कमेटी के चेयरमैन दिनेश कपूर और सचिव बिरजू शर्मा का आभार व्यक्त किया। रजनी ने बताया कि भारत में ग्रेपलिंग कुश्ती को उभारने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। ताकि ग्रेपलिंग को गाँव से लेकर शहर तक बढ़ावा दिया जा सके। रजनी बेनीवाल को बतौर डिप्टी डायरेक्टर नियुक्त करने पर उनके सैंकड़ों शुभचिंतकों ने फोन पर बधाई दी।

प्रदूषण : भिवानी में ग्रेप का तीसरा चरण लागू

एजेंसी

भिवानी » बढ़ते प्रदूषण के कारण नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की हिदायतों के अनुसार भिवानी समेत दिल्ली एनसीआर में ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पान्स एक्शन प्लान) का तीसरा चरण लागू हो गया है। भिवानी के उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि इसके तहत जिले में कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन से संबंधित सभी प्रकार की गतिविधियों पर पाबंधी रहेगी। वहीं बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी का काम, ओपन ट्रेंच सिस्टम द्वारा सीवर लाइन, पानी की लाइन, ड्रेनेज और इलेक्ट्रिक केबलिंग आदि बिछाना, ईंट और चिनाई के कार्य, पेंटिंग, पॉलिशिंग और वार्निश के कार्य, टाइल्स, पत्थरों और अन्य फ्लोरिंग सामग्री की कटिंग सड़क निर्माण सहित तमाम इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधियां और प्रमुख मरम्मत, परियोजना स्थलों के भीतर/बाहर कहीं भी सीमेंट, ईंटें, रेत, कंकड़, पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण,लोडिंग/ अनलोडिंग, कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों के आवा गमन पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इस अवधि में जिला में सभी क्रेशर जोन व खनन का कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेंगे।उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को ग्रेप-3 की पाबंदियां सख्ती से लागू करने के निर्देश दिये हैं और प्रदूषण को रोकने की खातिर सख्त कदम उठाने के सख्त निर्देश दिये हैं। प्रदूषण नियंत्रण में कोताही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। उपायुक्त ने चेतावनी भी दी है कि ग्रेप नियमों की अनदेखी करने पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को नशे के दुष्प्रभावों बारे में किया जागरूक

एजेंसी

केलांग, »'नशा मुक्त हिमाचल अभियान' के तहत नशीले पदार्थों व मादक द्रव्यों के खिलाफ जिला कल्याण विभाग लाहौल और स्पिति के सौजन्य से शुक्रवार को केलांग व सीसू में गीत-संगीत व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूक किया गया। मन्नत कला मंच कुल्लू के कलाकारों ने लोगों का मनोरंजन करते हुए नशे के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रमों में मंच के कलाकारों नवनीत भारद्वाज, मानचंद, खूब राम, गोपाल, अशोक, संजय, अंजली और चंपा ने समूहगीत गांव गांव शहर शहर में यह अभियान चलाना है, छोड़ नशे की बुरी आदतें, सब को यह समझाना है, लोकगीत छोड़ी दे मेरे सजना शराबो रा नशा के साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में फैल रहे आधुनिक नशे जिनमें हीरोइन, चिट्टा, ब्राउन शुगर,आदि के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि नशा आज एक गंभीर सामाजिक बुराई का रूप धारण कर चुकी है। भारत में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की विभिन्न नशों के सेवन से मौत हो जाती हैं। आज जहाँ नशा तंबाकू, शराब, सिगरेट, बीड़ी, गुटका, खैनी आदि विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता हैं वहीं अब चरस, हेरोइन,चिट्टा,आदि आधुनिक नशे की ओर हमारे युवा बढ़ते जा रहे है। मंच के संयोजक नवनीत भारद्वाज ने कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि जिला कुल्लू के भून्तर में सरकारी नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किया गया है।

हरियाणा की 70 फीसदी आबादी कैसे हुई गरीब, बीजेपी दे जवाब : हुड्डा

राज्यपाल के अभिभाषण में नही था कोई विजन और रोडमैप

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद अब तक बीजेपी के पास बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। जबकि कांग्रेस ने प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, रोजगार देने और कानून व्यवस्था में हरियाणा को नंबर वन राज्य बनाया था। ऐसे में 10 साल पहले की कांग्रेस सरकार पर बीजेपी आज सवाल उठा रही है। ये तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात हो गई है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हरियाणा को विकास में नंबर वन बनाया था। जबकि भाजपा ने गरीबी में नंबर वन बना दिया है। खुद सरकारी आंकड़े बताते हैं कि आज हरियाणा की 70 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच गई है। यह बीजेपी सरकार की नाकामी का स्पष्ट रिपोर्ट कार्ड है।

बीजेपी को बताना चाहिए कि उसके विकास के दावों और किसानों की डबल आय के वादों का क्या हुआ? अगर भाजपा कार्यकाल में विकास हुआ है तो फिर इतनी बड़ी आबादी गरीब कैसे हो गई? राज्यपाल के अभिभाषण पर हुड्डा ने कहा कि

उसमें ना किसी तरह का विजन था और ना ही भविष्य के लिए कोई रोड मैप था। सरकार ने नई बोतल में पुरानी शराब पेश की है।

अभिभाषण पर चर्चा में मुख्यमंत्री ने जो जवाब दिया वह भी जनता और विपक्ष के सवालों को संतुष्ट करने वाला नहीं था। उदाहरण के तौर पर, सरकार का कहना है कि प्रदेश में डीएपी की कोई कमी नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर किसानों की इतनी लंबी-लंबी कतारें क्यों लगी हुई है? क्यों एक-एक बैग खाद के लिए किसानों को इतना इंतजार करना पड़ रहा है।सच्चाई यह है कि सरकार ने समय रहते खाद का स्टॉक नहीं रखा। सरकार के पास एक लाख मिट्रिक टन का स्टॉक होना चाहिए था। लेकिन उसके पास सिर्फ 53000 मिट्रिक टन का ही स्टॉक था। यही वजह है कि बीजेपी राज में थानों के भीतर खाद बंटती है। भविष्य में यूरिया को लेकर भी सरकार की कोई तैयारी नजर नहीं आ रही और आशंका है कि जब किसानों को यूरिया की जरूरत पड़ेगी, तब भी यही हाल होगा।

किसानों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय सरकार पराली का बहाना लेकर उन पर केस और जुर्माना थोप रही है। जबकि सरकार को पराली की एमएसपी निर्धारित करके उसकी खरीद करनी चाहिए और किसानों पर कार्रवाई करने की बजाय उन्हें इस समस्या का समाधान देना चाहिए। भर्ती घोटालों पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उन्होंने बाकायदा विधानसभा में एक व्हाट्सएप चैट साझा की थी। उस वक्त सरकार ने उसकी जांच की हांमी भरी थी। लेकिन आज तक जांच नहीं हुई। एचपीएससी के कार्यालय में डिप्टी सेक्रेटरी रंगे हाथों लाखों रुपए के साथ पकड़े गए और एचएसएससी के दफ्तर में कई कर्मचारी भर्ती रिजल्ट के साथ छेड़छाड़ करते पकड़े गए। उनसे पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि हर भर्ती को लाखों रुपए लेकर बेचा गया। बावजूद इसके सरकार ने इस जांच को आगे नहीं बढ़ाया। ना ही यह बताया कि पूरे मामले में किस अधिकारी पर क्या कार्रवाई हुई है?

किसे क्या सजा मिली है और कौन-कौन सी भर्तियों में घोटाले हुए थे? सरकार को बताना चाहिए कि पकड़े गए लोगों ने कौन-कौन सी नौकरियों को पैसे लेकर बेचा था। हरियाणा की अलग विधानसभा के मुद्दे पर हुड्डा ने कहा कि सरकार को चंडीगढ़ पर अपना हक नहीं छोड़ना चाहिए। चंडीगढ़ में 40 फीसदी हिस्सेदारी हरियाणा की है। इसलिए मौजूदा विधानसभा के साथ ही नई विधानसभा का निर्माण होना चाहिए, ना कि कहीं दूर दूसरी जमीन पर। साथ ही पंजाब के साथ पानी और हिंदी भाषी क्षेत्र के मुद्दे पर भी पुरजोर तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए और हरियाणा को उसका हक लेना चाहिए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

एजेंसी

केलांग » भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति के केलांग में जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना लाहौल द्वारा पुराने परिधि गृह केलांग में किया गया था।

सहायक आयुक्त लाहौल-स्पीति संकल्प गौतम और एसडीएम केलांग रजनीश शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

गौरव दिवस के मौके पर दुर्गा माता मन्दिर से पुराना परिधि गृह तक शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारमपरिक वेशभूषा में सजधज कर भाग लिया। उत्सव में राजकीय प्राथमिक पाठशाला केलांग-1 और केलांग-2, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला केलांग और केन्द्रीय विद्यालय केलांग के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, कृषि और बागवानी विभागों द्वारा प्रदर्शनियों भी लगाई गई थीं वहीं स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाए गए थे। इस अवसर पर विशेष अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रदांजलि दी।

एसडीएम केलांग रजनीश शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हमारे स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी, समाज सुधारक और जनजातीय अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले महानायक थे। आज का यह दिन जनजातीय लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास के प्रयासों को आगे बढ़ाने का भी एक सुअवसर है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस को मनाने का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मान देना है।

परियोजना अधिकारी एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना मनोज कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन के बारे विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मातृभूमि के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में केन्द्र सरकार ने 80 हजार करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इसमें जनजातीय क्षेत्र के लोगों की आजिविका को बढ़ाया जाएगा। उनका सामाजिक और आर्थिक तौर पर उत्थान कर मुख्य धारा में जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी (आइसीडीएस), जिला पंचायत अधिकारी सहित अन्य विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बिरसा मुंडा, झारखंड के नायकों की विरासत हम सभी को प्रेरित करती है : कटारिया

एजेंसी

चंडीगढ़, » पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने 25वें झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आदिवासी आंदोलन के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। राज्यपाल कटारिया ने श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व के शुभ संयोग पर भी प्रकाश डाला तथा सत्य, सेवा और समर्पण की शिक्षाओं पर जोर दिया। राज्यपाल ने सिख परंपरा लंगर प्रथा की भी प्रशंसा की तथा निस्वार्थ सेवा और एकता के सार पर जोर दिया। उन्होंने सिख धर्म के मूल्यों और सामूहिकता तथा प्रकृति के साथ सामंजस्य की जनजातीय परंपराओं के बीच समानतायें बतायीं।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत पंजाब राजभवन में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस मनाने की पहल की सराहना की। '

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देते हुये राज्यपाल कटारिया ने झारखंड के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ' यह उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प था, जो झारखंड को अस्तित्व में लाया और आदिवासी समुदाय को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अधिकारों की रक्षा करने के लिये एक मंच प्रदान किया। 'राज्यपाल कटारिया ने 15 नवंबर, 2000 को झारखंड के गठन के बाद से हुये परिवर्तन पर प्रकाश डाला। अपने प्रचुर खनिज संसाधनों के लिये जाने जाने वाले इस राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। उन्होंने झारखंड की सांस्कृतिक जीवंतता की भी प्रशंसा की, जो इसकी लोक कला, संगीत, नृत्य और सरहुल और कर्मा जैसे त्योहारों में परिलक्षित होती है, जो समुदाय के प्रकृति के साथ गहरे संबंध को दर्शाते हैं।

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और अल्बर्ट एक्का सहित झारखंड के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और समानता और न्याय के लिये उनके बलिदान को स्वीकार किया। उन्होंने भारत में राज्य के योगदान की भी सराहना की, जिसमें इसकी खनिज संपदा से लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, क्रिकेटर एम.एस. धोनी और मुक्केबाज अरुणा मिश्रा जैसी शानदार हस्तियां शामिल हैं।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि श्री मोदी ने आदिवासी कल्याण के लिये 6,640 करोड़ रुपये की परियोजनायें शुरू की हैं, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये 10 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने आदिवासी गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में 150 रुपये के विशेष सिक्के और डाक टिकट जारी करने का भी उल्लेख किया और 'धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' पर प्रकाश डाला, जिसके तहत 60,000 से अधिक आदिवासी गांवों के विकास के लिये 80,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जायेगा।

कांग्रेस पार्टी को जनता के जनादेश को स्वीकार करना चाहिए : प्रो. रामबिलास शर्मा

चंडीगढ़ पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवात मान द्वारा केवल अपना हक जताना बिल्कुल गलत है चंडीगढ़ पर हरियाणा का हक भी है : रामबिलास शर्मा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

महेंद्रगढ़। कांग्रेस पार्टी को जनता के जनादेश को स्वीकार करना चाहिए,प्रजातंत्र में जनता के फैसले सर्वोप्रिय होते हैं। उक्त बातें हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने बृहस्पतिवार सायं गांव बुचोली में ब्लॉक समिति के पूर्व सदस्य अशोक शर्मा की पुत्री के विवाह समारोह में कहीं।

उन्होंने कहा कि ईएमवी को लेकर कांग्रेस पार्टी ब्राह्मक प्रचार कर रही है जहां पर कांग्रेस प्रत्याशी जीत गया वहां पर तो ईएमवी ठीक है जहां कांग्रेस प्रत्याशी हार गया वहां खराब है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की जनता ने तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बना कर लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों को मोहर लगाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में कह दिया है कि भाजपा ने चुनावी संकल्प पत्र में जो भी वायदे किए

पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस की नितियों पर टिप्पणी करते हुए।

थे उनको हर हालत में पूरा किया जाएगा। चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए भाजपा कृत संकल्प है।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवात मान द्वारा केवल अपना हक जताना बिल्कुल गलत है चंडीगढ़ पर हरियाणा का हक भी है। पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा नही बनाने कहना राजनीतिक की घटिया मानसिकता को दर्शाता है। पंजाब हमारा बड़ा भाई है हरियाणा पंजाब का छोटा भाई है बड़ा भाई हमेशा उदारता दिखता है पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मांन को भी एसवाईएल के पानी सहित अन्य मुद्दों पर उदारता दिखानी चाहिए ।

चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक, पंजाब के नेता घटिया राजनीति न करे : नायब सैनी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा चंडीगढ़ में हरियाणा की नई विधानसभा को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को किसानों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, न कि इस प्रकार की बयानबाजी करके लोगों को मुद्दे से भटकाना चाहिए। चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है। पंजाब के नेताओं को विधानसभा के विषय पर घटिया राजनीति नहीं करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां पत्रकारो को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक राम कुमार गौतम, रणधीर पनिहार, विनोद भ्याना और देवेंद्र कादियान भी उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि वे चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा नहीं बनने देंगे। नायब सिंह सैनी ने भगवंत मान को नसीहत देते हुए कहा कि पंजाब सरकार लोगों के हित के लिए काम करे। हरियाणा पंजाब का छोटा भाई है। इसलिए ऐसी बयानबाजी करके द्वेष खड़ा करने या भाईचारा खराब करने का काम न करें। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों की फसल नहीं खरीद रही, न ही किसानों को एमएसपी का मूल्य दिया जा रहा है। पंजाब सरकार अपने राज्य में किसानों की स्थिति बेहतर करने पर ध्यान दें। चंडीगढ़ में विधानसभा नहीं बनने देंगे, ऐसे बयान देकर वे लोगों का ध्यान बांटना चाहते हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के हित में कदम उठाए।भगवंत मान पंजाब की स्थिति ठीक करें, हरियाणा की चिंता न करें। ऐसे बयान देकर लोगों को बरगलाने का काम न करें। उन्होंने कहा कि पंजाब के नेताओं ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण पहले हरियाणा का एसवाईएल का पानी रोक दिया और अब विधानसभा बनने से रोकने की बात कर रहे हैं। पंजाब के लोग तो हरियाणा से प्यार करते हैं। पंजाब के किसान चाहते हैं कि हरियाणा को एसवाईएल का पानी मिले। पंजाब के नेता घटिया राजनीति करने का काम करते हैं।

नायब सिंह सैनी ने निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब की पूर्व की सरकारों ने भी ऐसी ही राजनीति करने का काम किया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। दोनों ने ही पंजाब के लोगों के हित के लिए कार्य नहीं किया। लोग सब कुछ जानते हैं और जनता पंजाब की सरकार को सबक सिखाने का काम करेगी।मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने बातें बहुत ज्यादा की, लेकिन धरातल पर काम नहीं किया। इसलिए किसान कांग्रेस से रुष्ट हुए, क्योंकि किसान अंतर देखते हैं। कांग्रेस के पास नीति और नीयत नहीं थी, जबकि हमारे पास नीति भी है, नीयत भी है और हम लगातार किसानों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लाट धारकों के लिए विवादों से समाधान योजना– 2024 की शुरुआत करते हुए। साथ में हैं विधायक श्री राम कुमार गौतम, श्री रणधीर पनिहार और श्री विनोद भ्याना। (15.11.2024)

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लाटो पर एन्हांसमेंट मामलों के समाधान के लिए योजना शुरू

चंडीगढ़, » श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लॉट धारकों के एन्हांसमेंट संबंधी विवादों के समाधान के लिए विवादों से समाधान योजना (वीएसएसएस-2024) का शुभारंभ किया। इस योजना का उद्देश्य एन्हांसमेंट से जुड़े मुद्दों का एकमुश्त समाधान प्रदान करना है। यह योजना 15 नवंबर से अगले 6 महीनों तक लागू रहेगी। इस अवसर पर यहां पत्रकारो को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के माध्यम से प्लॉट धारकों के एन्हांसमेंट सहित सभी लंबित मामलों का निपटान किया जाएगा। लगभग 7,000 से अधिक प्लॉट धारकों को करीब 550 करोड़ रुपये की बड़ी राहत मिलेगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में धूम-धाम से मनाया बाल दिवस

दिनेश मैहता, पब्लिक एशिया

हिसार » बाल दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में स्कूली छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित कर धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल फुलवती लांबा ने बाल दिवस के अवसर पर कहा कि हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस को सभी देशवासी बाल दिवस के रूप में मनाते हैं। क्योंकि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से बहुत प्रेम करते थे और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे।

प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चे समाज का भविष्य हैं और उनके विकास के लिए सही अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है। बाल दिवस मनाने का मकसद बच्चों की खुशियां, उनके अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जागरूकता फैलाना है। पंडित जवाहरलाल नेहरू का मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा और स्वस्थ जीवन दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस और गुरु नानक के प्रकाश पर्व की बधाई दी और समाज में एक अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कुछ बच्चों द्वारा बाल दिवस पर बनाई गई शानदार कला कृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में स्कूली छात्रों के माता-पिता के अलावा गांव के गणमान्य लोग व अध्यापकगण मौजूद रहे। इसके बाद प्रिंसिपल ने स्कूल के सभी बच्चों को सर्दी से बचने व पर्यावरण को स्वच्छ रखने का भी संदेश देते हुए कहा कि बदलते मौसम में लापरवाही के कारण हमरा स्वास्थ्य खराब हो जाता है, इसलिए हमें मौसम के अनूकूल अपने आप को ढालना होगा। वहीं अपने घर के बड़े बुजुर्गों आसपास के लोगों को भी इसका संदेश देने की जरूरत है। इस मौके पर मधु मैडम , सोनिया मैडम, सुनीता , मुकेश, अंजली, मीनाक्षी, प्रमेंद्र सर, रामफल व बच्चे उपस्थित थे।